कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 01/01/2021

प्रेस विज्ञप्ति

प्रोफेसर सत्येंद्र नाथ बोस की प्रतिभा के महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन भी थे कायल
प्रोफेसर सत्येंद्र नाथ बोस के नाम पर कणों का नाम बोसान

नव वर्ष के प्रारंभ में नई ऊर्जा एवं नए उत्साह के साथ साइंस कॉलज दुर्ग में आइक्यूएसी के तत्वाधान में भौतिक शास्त्र विभाग में प्रोफेसर सत्येंद्र नाथ बोस का जन्म दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापकों द्वारा प्रोफेसर एस एन बोस के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया गया। उन्होंने आधुनिक भौतिकी की दिशा बदल दी और उनके नाम को अमिट रखने के लिए भौतिकी के दो प्रकार के कणों में से एक कण का नाम उन्हीं के नाम पर बोसान रखा गया। प्रोफेसर बोस के जन्म दिवस के उपलक्ष पर एमएससी तृतीय सेमेस्टर एवं बीएससी प्रथम के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षा के पैटर्न पर आधारित ऑनलाइन प्रतियोगिता रखी गई।

आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ जगजीत कौर सलूजा ने इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बताया कि विद्यार्थियों को सामंजस्य बनाते हुए अपने पाठ्यक्रम की तैयारी करनी चाहिए जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफल हो सकें, साथ ही साथ उन्हें क्वांटम कणों की तरह अपनी सोच रख कर सीमित दायरे से बाहर निकलना होगा, जिससे वह अपनी उड़ान भरने के लिए आत्ममंथन कर सकें । विभागाध्यक्ष डॉ पूर्णा बोस ने बताया लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए विद्यार्थियों को अपनी तैयारी को अचूक बनाने की आवश्यकता है। जिसके लिए समय–समय पर इस तरह की ऑनलाइन प्रतियोगिता की आवश्यकता है। विद्यार्थी इन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी कमियों को जान सकेंगे तथा भविष्य में उन्हें इन प्रतियोगिताओं से महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। क्विज संयोजक डॉ अभिषेक मिश्रा ने बताया इस प्रतियोगिता में वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए जिसमें बीएससी प्रथम में साइंस कॉलेज दुर्ग, शासकीय आदर्श महाविद्यालय दुर्ग, शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, शासकीय खूबचंद बघेल महाविद्यालय भिलाई 3, शासकीय महाविद्यालय जामगांव आर और शासकीय महाविद्यालय धमधा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी सफल विद्यार्थियों को ई प्रमाण पत्र भी दिया गया । एमएससी तृतीय सेमेस्टर से समता सालेचा प्रिंस कुशवाहा तथा मुक्ति वर्मा ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया । प्राचार्य डॉ आरएन सिंह ने प्राध्यापकों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा इस प्रकार के ऑनलाइन परीक्षाओं से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के बारे में पता चलता है जिससे उनकी सफल होने की संभावना बढ़ जाती है । विद्यार्थी प्रोफेसर सत्येंद्र नाथ बोस को जाने तथा उनके योगदान से सीख ले जिन्होंने अपने योगदान से भौतिकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया । प्रोफेसर सत्येंद्र नाथ बोस हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन अपने इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए वह हमेशा हमारे दिल में रहेंगे और सदैव याद किए जाएंगे।

प्रति,

संपादक/ब्यूरो चीफ
दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

प्राचार्य
शा.वि.या.ता.स्व.स्ना.महाविद्यालय,
दुर्ग, (छ.ग.)